an>

Title: Need to compensate the loss of farmers due to natural calamities in Bhindana-Gondia Constituency of Maharashtra.

श्री नाना पटोले (भंडारा-गोंदिया) : अध्यक्ष महोदया, देश एवं महाराष्ट्र में फसलों से होने वाले नुकसान के कारण किसानों द्वारा आत्महत्या का सिलसिला नहीं थम रहा है। फसल में घाटा व कर्ज के बोझ के कारण किसान आत्महत्या कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में महाराष्ट्र सहित भारत देश के अनेक हिस्सों में भी फसलों में घाटे में चलते किसान परिवार आर्थिक संकटों का सामना कर रहा है। महोदया, दूसरी ओर प्रकृति भी कभी-कभी ऐसा खेल खेलती है, जो कि किसानों के हितों का नाश कर देती हैं। दिनांक 29.02.2016 एवं 27.03.2016 को मेरे संसदीय भंडारा-गोंदिया सहित महाराष्ट्र में एक प्राकृति आपदा आई जिसमें ओले, भारी वर्षा, तेज हवा से भारी नुकसान हुआ है तथा भयंकर तबाही मची है। फलस्वरूप क्षेत्र की लहराती हुई रबी की फसल को भी भारी नुकसान हुआ है। सारी फसल चौपट हो गई है व कई स्थानों पर मकानों को काफी क्षति पहुंची है। आसमानी बिजली गिरने से पशुओं को हानि हुई है। पकी फसलों का चौपट होना किसानों के लिए एक गंभीर समस्या है, जिसकी भरपाई होना कठिन है। इससे पीड़ित किसान आहत है। सरकार को इस आपदा की घड़ी में किसानों के हित के वास्ते वित्तीय सहायता प्रदान करने बाबत कोई शीघ्र योजना ला कर किसानों को लाभ देना चाहिए। जिससे किसानों के फसल, मकान और पशुओं की हानि की भरपाई हो सके।

माननीय अध्यक्ष :

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र एवं

श्री राजीव सातव को श्री नाना पटोले द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।